102 302(ZN)

2020

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'कला और संस्कृति' के लेखक हैं

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1

ख) निम्नलिखित में से कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की रचना है

i) 'उरुज्योति'

ii) 'अग्नि की उड़ान'

iii) 'महके आँगन चहके द्वार'

iv) 'मेरे विचार' । 1

ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' किस विधा की रचना है ?

i) निबन्ध ii) उपन्यास

iii) रेखाचित्र iv) आत्मकथा । 1

घ) निम्न में से हरिशंकर परसाई का निबन्ध-संग्रह है

i) 'विचार प्रवाह'

ii) 'प्रस्तुत प्रश्न'

iii) 'पृथिवीपुत्र'

iv) 'तब की बात और थी' । 1

ङ) 'भाषा और आधुनिकता' के लेखक हैं

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iv) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी । 1

VERTEXAL

2. क) गीत-संकलन 'पारिजात' किसकी कृति है ?

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iv) जयशंशर प्रसाद । 1

ख) निम्न में से मैथिलीशरण गुप्त का पहला काव्यसंग्रह है

i) 'यशोधरा'

ii) 'भारत-भारती'

iii) 'सिद्धराज'

iv) 'पंचवटी' । 1

ग) निम्न में से जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति है

i) 'इत्यलम्'

ii) 'अनामिका'

iii) 'द्वापर'

iv) 'चित्राधार' । 1

घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार किस कृति पर मिला था ?

i) 'युगान्त'

ii) 'कला और बूढ़ा चाँद'

iii) 'लोकायतन'

iv) 'स्वर्ण किरण' । 1

ङ) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के सम्पादन में कुल कितने 'सप्तक' प्रकाशित हुए ?

i) एक

ii) दो

iii) तीन

iv) चार । 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

रमणीयता और नित्य नूतनता अन्योन्याश्रित हैं, रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती । नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज

VERTEXAL

के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती । सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतियों और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलनेवाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है । भाषा समूची युग-चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता तभी वह अर्जित कर सकती है जब वह अपने युगानुकूल सही मुहावरों को ग्रहण कर सके । भाषा सामाजिक भाव-प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट है, उसके अतिरिक्त उसकी जरूरत ही सोची नहीं जाती ।

i) सर्जक की मौलिक उपलब्धि का प्रमाण क्या है ?

ii) किससे जकड़ा हुआ समाज आगे बढ़ नहीं पाता ?

iii) 'रमणीयता' और 'उद्दिष्ट' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) उपर्युक्त गाद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं । इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ।

i) महर्षि अरविन्द ने क्या कहा है ?

ii) हम इस संसार में जो-कुछ देखते हैं वह क्या है ?

iii) 'अस्तित्व' और 'तादात्म्य' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये ।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को ।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना ।
होंठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना ।।

VERTEXAL

कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखाये ।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना ।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे ला ।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ।।

i) वियोगिनी राधा लज्जाशील महिला के लिए पवन से क्या कहती है ?

ii) राधा कृषक-ललना की थकावट को दूर करने के लिए पवन को क्या समझाती है ?

iii) 'व्योम' तथा 'भूतांगना' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।

v) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

अथवा

घिर रहे थे घुँघराले बाल
अंश अवलम्बित मुख के पास;
नील घन-शावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास ।
और मुख पर वह मृदु मुसक्यान
रक्त किसलय पर ले विश्राम;
अरुण की एक किरण अम्लान
अधिक अलसाई हो अभिराम ।

i) यहाँ किसकी सुन्दरता का मनोरम वर्णन किया गया है ?

ii) 'अरुण की एक किरण अम्लान अधिक अलसाई हो अभिराम' में कौन-सा अलंकार है ?

iii) 'अम्लान' तथा 'अभिराम' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।

v) उपर्युक्त कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) वासुदेवशरण अग्रवाल
ii) हरिशंकर परसाई
iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) मैथिलीशरण गुप्त
ii) सुमित्रानन्दन पन्त
iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

VERTEXAL

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' के 'तृतीय सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक 'सम्राट् हर्षवर्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ सर्ग' की कथा संक्षेप में लिखिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

VERTEXAL

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच – येनाहं नामृता स्याम किमहं तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्त्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच – प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे । एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि ते अमृतत्त्वसाधनम् ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणनि, विश्ववन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ । आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः ।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नममूत्रभः ।।
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
ब्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) उल्टी गंगा बहाना ।
(ii) दाल में काला होना ।
(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या ।
(iv) शौकीन बुढ़िया चटाई का लहँगा ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'परमार्थः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) पर + मार्थः
(ब) परम् + अर्थः
(स) परम + अर्थः
(द) परमा + अर्थः । 1

(ii) 'तथेति' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) तथा + इति

(ब) तथा + एति

(स) तथा + ऐति

(द) तथ + एति । 1

(iii) 'शयनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) शे + अयनम्

(ब) श + यनम्

(स) शय + नम्

(द) शे + अनम् । 1

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही चयन कीजिए :

(i) 'आत्मने' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन । 1

(ii) 'नाम्नाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) कुल-कूल —

(अ) वंश और शीतल

(ब) समस्त और कपड़ा

(स) वंश और किनारा

(द) पक्षी और किनारा । 1

(ii) अंबुज और अम्बुद —

(अ) आम और समुद्र

(ब) कमल और बादल

(स) कमल और समुद्र

(द) समुद्र और कमल । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अर्क

(ii) द्विज

(iii) पतंग ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो पहले कभी न हुआ हो —

(अ) भूतपूर्व

(ब) अपूर्व

(स) अभूतपूर्व

(द) भविष्यपूर्व । 1

VERTEXAL

(ii) सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो –

(अ) सत्यव्रत

(ब) सत्यवादी

(स) सत्याग्रही

(द) सत्यनिष्ठ । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) आप अनाधिकार चेष्टा कर रहे हैं ।

(ii) एक फूल की माला खरीद लेना ।

(iii) सुमन राजे तीसरा सप्तक की कवियत्री हैं।

(iv) बिटिया पराया नहीं, अपना धन होता है ।

12. (क) 'शृंगार' रस **अथवा** 'शान्त' रस का लक्षण और उसका एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार **अथवा** 'रूपक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द **अथवा** 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. स्टेशनरी की दुकान खोलने के लिए किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को एक आवेदनपत्र लिखिए जिसमें ऋण की माँग की गई हो । 6

अथवा

किसी विद्यालय के प्रबन्धक को, प्रवक्ता पद पर अपनी नियुक्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति

(ii) आरक्षण-व्यवस्था : वरदान या अभिशाप

(iii) भारतीय प्रजातन्त्र का भविष्य

(iv) लोकनायक तुलसीदास

(v) प्रदूषण की समस्या : कारण और निवारण ।

302(ZN) – 2,80,000

VERTEXAL